



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 175]
No. 175]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 29, 1988/भाद्रपद 7, 1910
NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 29, 1988/BHADRA 7, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

राष्ट्रिय मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 43-आई.टी.सी. (पी.एन)/88-91

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1988

विषय:—दूर संचार परियोजना के लिए 3.337 बिलियन येन की ओ.ई.
सी. एफ. (विदेशी आर्थिक सहयोग निधि) ऋण संख्या आई.टी.पी.-49
के अंतर्गत उपस्कर/सिवाग्रों के आयात हेतु लाइसेंसिंग शर्तें।

फा.सं. आई.पी.सी./23(30)/88-91—जापान की विदेशी आर्थिक
सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) द्वारा विस्तारित दूरसंचार परियोजना (10)
के लिए 3.337 बिलियन के येन क्रेडिट के अंतर्गत आयातों की शासित
करने वाली शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं,
जानकारी के लिए अधिसूचित की जा रही हैं।

ह/-

राजीव लॉन्ग मिश्र,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

राष्ट्रिय मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 43-आई.टी.सी.
(पी.एन)/88-91, विभाग 29-8-88 का परिशिष्ट।

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) द्वारा
प्रदान किए गए दूर संचार परियोजना (10) के लिए येन 3.337
बिलियन के येन क्रेडिट के अधीन उपस्कर और सेवाओं के आयात
के संबंध में लाइसेंस शर्तें।

खण्ड-1 सामान्य शर्तें:—

1(1) दूर संचार विभाग की दूर संचार परियोजना की आयात
आवश्यकता को वित्तव्यय करने के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग
निधि (ओ.ई.सी.एफ.) द्वारा प्रदान किया गया 3.337 बिलियन
येन का ऋण जापान और विकासशील देशों के लिए खुला है। तदनुसार
इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान
और अनुबन्ध-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों से आयात की जा सकती हैं।
ये देश इस ऋण के अंतर्गत पात्र लोक देश होंगे।

1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं मर्चों और उसी मूल्य के लिए
लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेशालय, तकनीकी
विकास/पूँजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई

हो। इन क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस(सी) येन का मूल्य 3.675 मिलियन (लागत-बीमा-भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रुपये में मूल्य, राजस्व विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा अधिभुजित विनियम दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि की प्रचलित दर और मुख्य निर्यातक, अध्याय निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78-आई टी सी(पी एन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकेतिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि सीमा-शुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सी) में विनिश्चित मुद्रा विनियम दर पर लाइसेंस मूल्य के नामे डालेगा। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन ऋण सं. आई डी पी-49 होगा"। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एस/जेसी" कीज होगा। दूर संचार विभाग को आयात लाइसेंस भेजते समय मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात के पत्र में भी इसे पुनरावृत्त जाएगा। जिसको एक प्रति वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

1(3) लागत-बीमा-भाड़ा के आधार पर केवल दूर संचार विभाग के नाम में लाइसेंस जारी किया जा सकता है।

1(4) दूर संचार विभाग की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन कुल मूल्य येन 3.675 मिलियन (लागत बीमा भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए, जैसा कि ऊपर पैरा 1(2) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की वैधता में वृद्धि दूर संचार विभाग द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और प्राप्ति की अवधि के लिए दी जा सकती है। प्राप्ति और वृद्धि करने के लिए/नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) की सेवा जाना चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अधीन वित्तियन किए जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत् स्थापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परिवर्ण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकारों के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकारों की भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1(8) पक्के आवेदन अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों का अज्ञात पर निशुल्क के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। भाड़ा बीमा प्रभार का भुगतान भारतीय रुपये में भारत में देय होगा : 'पक्के आवेदनों' का अर्थ विदेशी संभरकों की भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन क्रय आवेदनों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित क्रय संधिवा हो। विदेशी संभरकों के भारतीय अधिकारों के आवेदन या ऐसे भारतीय अधिकारियों द्वारा पृष्ठिकरण आवेदन स्वीकार्य नहीं है।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों की इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग डब्ल्यू-ई-1 अनुभाग को नहीं पहुंच आते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा-1(8) में यथा उल्लिखित पक्के आवेदन चार महीनों के भीतर वैध कारणों से जहां दिए जा सकते हैं तो चार

महीनों के भीतर आवेदन क्यों नहीं दिए जा सकते इस कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संयोज लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आवेदन देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) मार्फत कनाक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों की भेजेंगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय प्राधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकों में बैंक गारंटी साख-पत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र तुल्य रूपका जमा करने आदि की स्वीकृति की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान अवश्य पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलवान पर अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अर्थात् पोतलवान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की ऋण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:—

"साख-पत्र की प्राप्ति के बाद-----महीने परन्तु अधिक से अधिक-----के अंत तक पूर्ण किया जाता है।"

पोतलवान के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि यह तिथि 30-12-1992 के बाद की न हो।

खंड-2 संभरण ठेके का समझौता करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें:—

2(1) ठेके का अज्ञात पर्यन्त निशुल्क मूल्य येन में (येन की भिन्न के बिना) अधिव्यक्त होना चाहिए और इसमें भारतीय अधिकारों का कमीशन यदि कोई हो तो वह शामिल होना चाहिए जो कि भारतीय रुपये में कृपामा चाहिए।

भारतीय रुपये या किसी अन्य मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अधिव्यक्त नहीं होना चाहिए। क्रय आवेदन और संभरक द्वारा पृष्ठिकरण आवेदन केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) ऋण की रकम से वित्त पोषित किए जाने वाले सभी मान और श्रोत ऋण के अन्तर्गत अधिप्राप्ति के लिए मार्ग वशों विन्दुओं के अनुसार निम्नलिखित सम्पूर्ण शर्तों के साथ किए जाएंगे:—

(क) कम से कम 500 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं/वस्तुओं की अधिप्राप्ति के मामले में:—

(1) यदि पूर्वग्रहणा सहित औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति क्रियाविधि अपनाने का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिए ओ.ई.सी.एफ. की आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उससे पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सकल बोलीकार की निर्णय का निर्णय जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ ई सी एफ को प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन

पक्ष के साथसाथ पूर्ण भर्त्ता की मूल्यांकन रिपोर्ट, बीसीफार्मों की दिए गए नोटिस और अनुदेश, बीसी प्रपत्र, प्रस्तावित ठेका विशिष्टीकरण और ड्राइंग और बीसी से संबंधित अन्य दस्तावेज भी ई सी एक को भी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 500 मिलियन से कम अनुमानित मूल्य के मान और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निर्णय के लिए ओ ई सी एक के पूर्ण अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा की करें उचित रूप से विभाजित की गई हों। लेकिन यदि ओ ई सी एक एक अनुमोदन करे तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट यदि उसको पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) दूर संचार विभाग उपर्युक्त (क) (1), (क), (2) और (ख) से उल्लिखित आवेदन पत्र दस्तावेज याचिका कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उनके द्वारा ओ ई सी एक को भेजे जाएंगे।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उनके नाम में भारतीय बैंक टोकियो द्वारा 1987-88 के लिये ओ. ई. सी. एक. येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई.डी.पी.-49 के अधीन होने गए अपरिवर्तनीय साख्तान के माध्यम से किया जाना चाहिए, जिसका ग्योरा नीचे खंड 6 में दिया गया है।

2(4) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा की जानी चाहिए लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है। जिनके लिये आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि के तुरन्त बाद जिन संवत्तर, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिये।

2(5) संभरक की प्राप्तता.

संभरक प्राप्त क्षेत्र देशों के राष्ट्रिय होने या प्राप्त क्षेत्र देशों में शामिल किये गये तथा पंजीकृत किये गये प्राप्त क्षेत्र देशों के राष्ट्रियों द्वारा प्राप्तित वर बरिता होंगे।

2(6) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा मान एवं संभरक की प्राप्तता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी :—

“मैं, अधोहस्ताक्षरी एवम् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला मात्र----- (संबंधित प्राप्त क्षेत्र देश का नाम) में उत्पादित है।”

“मैं अधोहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अधोहस्ताक्षरित देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 50 प्रतिशत से कम है :—

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क

संभरक का जहाज पर निःशुल्क मूल्य

और

मैं, अधोहस्ताक्षरी, एवम् द्वारा सत्यापित करता हूँ कि----- (प्राप्त क्षेत्र देश का नाम) में----- (कच्ची का नाम) समाविष्ट और पंजीकृत हो चुकी है और प्राप्त क्षेत्र देशों के राष्ट्रियों द्वारा निर्मित है।”

2(7) अपात्र क्षेत्र देशों से अनुमोदित आयात

जिन वस्तुओं में अपात्र क्षेत्र देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका वित्तदान किया जा सकता है अर्थात् कि निम्नलिखित सूत्र के

अनुसार ऐसे उत्पाद प्रति एकक का मूल्य मरधार आधार पर आयातित भाग का 50 प्रतिशत से कम हो :—

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क

$\times 100$

संभरक का जहाज पर निःशुल्क मूल्य

खण्ड-3 संभरण ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए :—

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एक) के बीच दूर संचार परियोजना 9 के लिये येन क्रेडिट सं. आई.डी.पी.-49 (परियोजना सहायता) से संबंधित 10 फरवरी, 1988 को हुए शृण समझौते के अनुसार होनी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरणों को भुगतान, भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एक) के बीच येन क्रेडिट सं. आई.डी.पी.-49 से संबंधित 10 फरवरी, 1988 को हुए शृण समझौते के अंतर्गत बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा जारी किये जाने वाले अपरिवर्तनीय साख्तान के माध्यम से किये जाएंगे।

(ग) विदेशी संभरक ऐसे सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिये सहमत होगा जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ. ई. सी. एक द्वारा येन शृण के अधीन अर्पणित हों।

(घ) 2(6) में उल्लिखित प्राप्त में प्रमाणित (तीन प्रतियों में)

3(2) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरण संविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिये कि जापानी संभरक भारतीय रूपावास, टोकियो के परामर्श पर पोन परिवर्तन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इन उद्देश्य के लिये वह भारतीय रूपावास, टोकियो को, शामिल मात्र की मुद्रा की कार्यक्रम से प्रवर्ण करावेगा और पोतलदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय रूपावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके, विशेष मामलों में, जहाँ भारतीय आयातक हस्तु हों, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात् आवश्यक व्योरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिये सहमत होना चाहिये और उसकी एक प्रति भारतीय रूपावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिये।

खण्ड-4 ओ ई सी एक द्वारा ठेके को पुनरीक्षा

4(1) लाहसंस्थापरी को पहले प्रादेश देने के लिये निर्धारित अवधि के भीतर दूर संचार विभाग और विदेशी संभरकों दोनों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की नार प्रतियां जो विदेशी संभरकों द्वारा लिखित में पुष्टि प्रादेश के साथ हों या उनकी दूर प्रकार से पूर्ण कोटो प्रतिप संगत बैंक आयात लाइसेंस की दो कोटो प्रतियों नहित और परिशिष्ट-2 के प्रपत्र में “प्राधिकार पत्र” जारी करने के लिये प्रादेश की दो प्रतियां आर्थिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिये।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि सभी ठेकों के लिये और ठेकों की विशेष-वस्तु के लिये प्रतिशर्त आणोवनों के कारण संशोधनों या उनकी कीमतों पर भी लागू होगा।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस भी ई सी एक की पुनरीक्षा के लिये भेजेगा। ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक-एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय वृत्तावास टोकियो को और आयात लाइसेंस की कोटा कापी और "प्राधिकार जारी करने के लिये आदेश" की एक प्रति के साथ सी ए ए एंड ए के कार्यालय को भेजेगा।

खंड-5 विदेशी संभरकों को भुगतान साख पत्र क्रियाविधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके निर्णय का नोटिस और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा परीक्षा नियंत्रक बैंक आफ इंडिया की टोकियो शाखा की संबंधित सलग्न अनुबंध-3 में दिये गये प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक आफ इंडिया की टोकियो शाख संबंध विदेशी संभरक के नाम में सलग्न अनुबंध-4 (आयातों के लिये) के प्रपत्र में या अनुबंध-5 (सेवाओं के लिये) के प्रपत्र में एक अतिरिक्त साखपत्र खोलेंगे। प्राधिकार पत्र की प्रतियां भी ई सी एक भारतीय वृत्तावास टोकियो, आर्थिक कार्य विभाग वित्त मंत्रालय की पुष्ठाकिन की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक, टोकियो अनुबंध-4 (वास्तविक आयातों के लिए लागू होता है) या अनुबंध-5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अतिरिक्त साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (भी ई सी एक) भारतीय वृत्तावास टोकियो में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी. ए. ए. एंड एस प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपयुक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अथवा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साख पत्रों के संशोधन पर स्वतः लागू होंगी।

5(3) माल का पोतलान कराने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साख-पत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सहा पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि को प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक निधि से प्राप्त करेगा।

भी ई सी एक ठेके के मूल्य का 210 प्रतिशत (0.1) प्रतिशत के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर बचनबद्धता पत्र करेगा। यह धनराशि भी ई सी एक द्वारा स्वयं ऋण निधियों में से चुकाई जाएगी। भी ई सी एक या सहायता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर आयातक की बचनबद्धता पत्र के खर्चों की मुख्य धनराशि सरकारी लेखे में जमा करनी होगी, भी ई सी एक को भुगतान की तिथि से स्वयं जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियां शामिल करके) ब्याज भी प्रचलित दर पर आयातक द्वारा चुकाया जाएगा।

प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अंतर्गत भी आयातक द्वारा 0.1 प्रतिशत इसी प्रकार का खर्च चुकाया जाना है।

5(4) साखपत्र को खोलने, रख-रखाव और परिचालन पर किए गए सभी खर्च विदेशी संभरकों या आयातक के लेखे में जाएंगे और इसलिए भी ई सी एक से उनके भुगतान नहीं किया जाएगा।

संभरकों की भारतीय बैंक, टोकियो जहाज पर्यंत निःशुल्क माल की लागत की भुगतान की तिथि और भी ई सी एक द्वारा प्रतिपूर्ति की तिथि के बीच के समय का ब्याज भारतीय बैंक उनके और भारत सरकार (वित्त मंत्रालय) के साथ 25-3-80 की हुए समझौते की शर्तों के अनुसार प्राप्त करेगा और उसकी प्रतिपूर्ति भारतीय वृत्तावास, टोकियो द्वारा की जाएगी। भारतीय

वृत्तावास, द्वारा ब्याज भुगतान पर किया गया खर्च डाक एवं तार विभाग (वेबे खंड-6) (4) से प्राप्त किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं के वितरण के लिए प्रक्रिया ऋण समझौते की प्रतिपूर्ति क्रिया विधि के अनुसार होगी।

खंड-6 स्वयं निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में सांकेतिक अनुसार दूर संचार विभाग के प्राधिकृत बैंकर की पराक्राम्य जहाजरानी दस्तावेज, भरोषित करेगा और बैंकर इस बात की सुनिश्चित करेगा कि दूर संचार विभाग ने पोतलान दस्तावेज रिहा होने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, लीस हजारी, दिल्ली में चालान के ऊपर दाहिने ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए स्वयं निक्षेप कर दिया है। विदेशी संभरकों को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये सार्वजनिक सूचनाएं सं. 74-आई टी सी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-1974 में निर्धारित विधि के अनुसार भारत सरकार के लेखे में जमा किए जाने हैं।

विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की यह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 109 आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 3-8-74 और सं. 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो जो मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो। इस संबंध में और ब्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होगी कि वेध धनराशि आयातकों को आयात-दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वेध धनराशि अपने ऋणदाताओं से दस्तावेजों की सुपुर्दगी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि वेध धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से सुरक्षित जमा कर दी है भले ही जब वे विशेष परिस्थितियों के अंतर्गत सीमा शुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को वेध धनराशि के माल की सुपुर्दगी देने से पहले जमा नहीं कर पाता तो प्रागे के लिये उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की दी जाए ताकि ऐसे आयातक को प्रागे और आयात लाइसेंस जारी न किए जायें जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त स्वयं निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपॉजिट एंड ऐडवांसिज 843" सिविल डिपॉजिट स मगर परफेजिज अटस्ट्रा प्रोडर क्रेडिट्स लोन एग्जीमेंट्स (लोन क्रोम वि गवर्नमेंट आफ जापान 3-337 बिलियन येन क्रेडिट सं. आई डी पी-44 नगर दूरसंचार परियोजना (8) होना चाहिए। लेकिन 31-5-1974 की उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना में दिए गए ब्याज प्रभारों की गणना और निक्षेप संबंधी व्यवस्थाएं लागू नहीं होंगी, क्योंकि केन्द्रीय सरकार के विभागों के आयातों के संबंध में ब्याज प्रभार बसूल नहीं किए जाने हैं।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, लीस हजारी, दिल्ली में चालान के ऊपर दाहिने ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार की साख में सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टी सी (न)/68, दिनांक 30-8-1968, सं. 233-आई टी सी (पीएन)/6 दिनांक 24-10-68, सं. 132 आई टी सी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71,

सं. 74-आई टी सी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आई टी सी (पीएन)/78 दिनांक 12-10-78 में यथा निर्धारित तरीके में जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बावजूद सात दिनों के भीतर भारत में आयातक का संबंध बैंक या ऊपर निर्धारित तरीके से यह प्रतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। आयात के विभिन्न कालों की भरते समय आयातकों/उनके बैंकों की इस बात का सुनिश्चित कर देना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 में पैरा 2 में निर्धारित सूचना आयात के काल में "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण ध्येय में निरपवाद रूप से निविष्ट किए गए हैं।" अज्ञाना आयात में निम्नलिखित ध्येय निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक

(ख) येन मुद्रा की बहु धनराशि जिसके संबंध में अपनार्ह गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाते हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उसके परचास सी. ए. ए. एंड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संक्षेप देते हुए और धीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए आयात आयात रूपमा जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत आक द्वारा सी. ए. ए. एंड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी: भारत में आयातक के बैंक की यह सुनिश्चित करना चाहिए कि के रुपये का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो की प्रवायगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतनवास दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरावाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि उसके तत्काल बाद सी. ए. ए. एंड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में संबंध भारतीय बैंक की लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रूपमा निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक बंबई को भेजना चाहिए।

भारतीय वृत्तावास, टोकियो द्वारा बैंक ऑफ इंडिया टोकियो को दिए गए व्याज प्रभारआदि के अनुसार ही येन भुगतान के मुख्य रुपये को गणना की उपर्युक्त खंड-6 की कंडिका 6(1) में निर्धारित तरीके से की जाएगी और मुख्य लेखाधिकारी के नाम में जमा करा दिया जाएगा। विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली, सी. ए. ए. एंड ए. इस प्रयोजन के लिए उपर्युक्त परामर्श जारी करेगा।

खंड-7 विविध व्यवस्थाएं

7(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट

आयातक का पोतलान और उसके अधीन किए गए भुगतान और सेवा धनराशि के बारे में साख-पत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग वित्त मंत्रालय, यू. सी. ओ. बैंक मिलिबग संसद मार्ग नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

7(2) संभरकों को विशेष शर्तों के धारे में अधिसूचित करना। लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबंधों से संभरक को प्रवृत्त करा देना चाहिए जो साल के खाने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं।

7(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि आदर्शधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठे तो उनके लिए भारत सरकार को दे उल्लंघन न करेंगे। भारतीय बैंक टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी

की जाने वाली शर्तों अनुबंध-2 में "भुगतान की शर्तों" के अंतर्गत प्रच्छो तरह स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद के निपटान से संबंध व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

7(4) सक्रिय भुनदेश

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या आपानी प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट नमस्कोते (परियोजना सहायता) सं. आई. डी. पी-49 के अधीन सभी आभारों को विदेशी आर्थिक निधि जापान (ओ. ई. सी. एफ.) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए निदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

7(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खंडों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्वात (नियंत्रण) अधिनियम के अन्वये उचित कार्यवाही की जाएगी।

7(6) अनुबंधों की सूची

1. अनुबंध-1 पात्र स्रोत देशों की सूची
2. अनुबंध-2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध
3. अनुबंध-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
4. अनुबंध-4 साख-पत्र का प्रपत्र (वास्तविक आयातों के लिए लागू)।
5. अनुबंध साख-पत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)

अनुबंध-1

पात्र स्रोत देशों की सूची

क. विकासशील देश तथा उनके क्षेत्र

(क-1) विदेश आर्थिक सहयोग से प्राप्त विकासशील देश

1. अफ्रीका उत्तरी सहारा
मिश्र
मरक्को
तुनीशिया
2. अफ्रीका दक्षिण सहारा
अंगोला
बेनिन
बोत्स्वाना
दक्षिणी
केमरोन
केप वर्ड द्वीप
मध्य अफ्रीका गणतंत्र
चाड
कोमोरो द्वीप
कांगो बाहुने का गणतंत्र
इक्वेटोरियल गुयाना (1)
इथियोपिया
जाम्बिया
जाम्बा
गुयाना

(1) पहले स्पेन गिनी का प्रदेश कर्नाड पो के द्वीप सहित।

- ब्राइवरी कोस्ट
केम्या
लेसोथो
लाइबीरिया
मालागासी गणतंत्र
मालाया
माली
मारीशस मार्टिनीया
मोजम्बिक
नाइजर
पुतनीज गुयाना
रिबूनियन
रोडेशिया
खाण्डा
सेंट हेलेना और द्वीप (2)
साओ टोमो और प्रिन्सिपल
सेनेगल
सींचलीज
सीयरे लियोन
सामोविया
सूडान
स्वाजीलैण्ड
टेरो प्रवर्गस और दंसास
टोंगो
युगांडा
तंजानिया गणतंत्रीय संघ
अपर वोल्टा
जाइरे गणतंत्र
जाम्बिया
3. अमेरिका उत्तरी और
केन्द्रीय
बरमूडा
बारबाडोस
बेलीज
क्रोस्टा रिका
क्यूबा
डोमिनिकन गणतंत्र
एल सेल्वाडोर
ग्वाटेमाला
हैती
होंडुरस
जमैका
मार्टीनिक
मेक्सिको
नीदरलैण्ड एंटीलीज
निकारागुआ
पानामा
सेंट पियरे और
मिक्लोन
ट्रिनिडाड और टोबैगो।

- (2) निम्नलिखित द्वीपों सहित/अर्सेशन ट्रिस्टन्डा इन एन्सोन्सिबल माइदिगेल गण
- (3) मुख्य द्वीप समूह अथवा बोनाहरे क्यूराकोओ ; ताहा सेंट यूस्बासिट सैस्ट मार्टिन (दक्षिण भाग)।

3. अमेरिका उत्तरी और केन्द्रीय वेस्ट इंडीजभाषा एन. आई.ई.
(क) सह-संबंध राजस्व (1)
(ख) आश्रित (2)
4. दक्षिणी अमेरिका
अर्जेन्टीना
बोसिनिया
ब्राजील
चिली
कोलंबिया
फाल्क लैण्ड द्वीप समूह
फ्रांस
गुयाना
पराग्वे
पोरु
सूरिनाम
उरुग्वे
5. मध्य पूर्वी एशिया
बहरीन
इजरायल
जोर्डन
लेबनान
ओमान
सिरियाई अरब गणतंत्र
यूनाइटेड अरब एमिरात (3)
यमन अरब गणतंत्र
यमन जनवादी का डी. आर. (4)
6. दक्षिणी एशिया
अफगानिस्तान
बंगलादेश
भूटान
बर्मा
भारत
मालदीव
नेपाल
पाकिस्तान
श्रीलंका
7. सुदूर पूर्वी एशिया
बहरी
हॉंगकांग
खमैर गणतंत्र
कोरिया गणतंत्र
लेप्स
मकाओ
मलेशिया
- (1) मुख्य दीपपुण्ड्रिगुवा डोमिनिका द्वेनेबा, सेंट किट्स (सेंट क्रिस्टोफो) मेक्स-अंगुइला सेंट लुसिया और सेंट.विसेंट
- (2) मेन आईलैण्ड मोसेसरस समान तुर्की और काइकोस और क्रिटिस अरजिन द्वीप समूह।
- (3) अजमन, दुबई, फजाहरत, रास अल खैमाह शरजाह और उम्म अल क्वैवत।
- (4) अरब और बिस्मिस सलततत और खमीयत सहित।

फिसिपाइन	प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए	
सिंगापुर	प्रार्थना पत्र	
ताइवान		
थाइलैण्ड		
तिमोर	संख्या	दिनांक
वियतनाम गणतंत्र	मेघा में	
वियतनाम जनवादी गणतंत्र		
8. ओसिनिया	सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,	
कोक द्वीप समूह	वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,	
फिजी	यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,	
गिल्बर्ट और इलाइस द्वीप	पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली 110001	
फ्रांसिस पालिनेशिया (5)	विषय: येन ग्रेडिट सं. आई डी पी..... (परियोजना	
नारू	महायान) 1988 के अन्तर्गत जापान से..... का आयात।	
न्यू केलेडोनिया	सहायक,	
न्यू हेब्रिडिस (अ. और फ.)	उपर उल्लिखित येन ग्रेडिट सं. आई डी पी.....	
नियू	परियोजना सहायता) के अधीन..... से..... के	
पैसिफिक द्वीप समूह [संयुक्त राज्य (6)]	आयात के संबंध में..... (बैंक का नाम)..... जो	
पापुवा न्यू गिनी	कि बही होना चाहिए, जो नीचे (ड) में सम्बद्ध समुद्रपार संभरक	
सोलोमन द्वीप समूह (आ.)	के नाम में साख पत्र खोलने के लिए दिया गया है, कि प्राधिकार पत्र	
टोंगा	जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित व्यौरे प्रस्तुत करते हैं :	
वालिस और फुतुना	(क) भारतीय आयातक का नाम और पता।	
पश्चिमी सामोआ	(ख) आयात लाइसेंस की संख्या दिनांक और मूल्य और वह तारीख	
	जिस तक वैध है।	
9. यूरोप	(ग) प्राप्ति के तरीके..... क्या वह सीधे क्रय या औपचारिक	
साइप्रस	रिफ खुले अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है। इसके	
जिब्राल्टर	सामने में यदि कोई कारण हो तो कारण सहित यह संकेतिक	
ग्रीक	होना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त न्यूनतम	
माल्टा	तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।	
स्पेन	(घ) माल का संक्षिप्त विवरण।	
युकी	(ङ) माल का उद्गम देश।	
यूगोस्लाविया	(च) यदि कोई हो तो पाल ले इतर स्रोत देशों से आयातित संभटक	
	का प्रतिफल।	
(5) सोसायटी आई लैण्ड समूह (ताहिती सहित) को शामिल करते	(छ) संविदा का कुल जहाज पर निःशुल्क लागत और भाड़ा मूल्य	
हुए आस्ट्रेल द्वीप समूह, टुवालू जॉर्जिया ग्रुप और मागसेस द्वीप	(येन में)।	
समूह।	(ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि	
(6) पैसिफिक द्वीप का ट्रस्ट प्रवेश कारोलीन द्वीप समूह, मार्शल द्वीप	(येन में)।	
समूह और मैरिना द्वीप समूह (गांध को छोड़कर)	(झ) वास्तविक जहाज पर निःशुल्क/लागत और भाड़ा (येन में)	
	जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।	
(क2) ओ पी ई सी के सदस्य या सहयोगी देश	(ञ) समुद्रपार के संभरणों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं	
अल्जीरिया	दिनांक।	
मॉलिशिया	(ट) विदेशी संभरक का नाम, पता और राष्ट्रीयता।	
लीबियाई अरब गणतन्त्र	(ड) वे भुगतान शर्तें और संभावित तिथियां जिनकी संविदा के अन्तर्गत	
नेबोन	भुगतान देय होंगे।	
नाइजीरिया	(ड) सुपुर्वगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।	
प्रन्सडोर	(ड) बैंक आफ इण्डिया टोकियो, को भुगतान करते समय प्रस्तुत	
बेन्जुमला	किए जाने वाले वस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनके	
ईरान	निपटान दिखाते हुए)।	
ईराक	(ण) पोसलवाश अनुदेश (बाह्यान्तरण/पार्टिशिपमेंट को अनुमति दी	
कुवैत	गई है या नहीं) निविष्ट कीजिए।	
कतर	(त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।	
साऊदी अरब		
थाई-थाई		
इंडोनेशिया		

(ग) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संधिदा (संविदाएं) कर दी गई हैं और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दिया गया है, यदि हां तो ऐसी प्रत्येक संधिदा की संख्या दिनांक और मुख्य और वित्त मंत्रालय का बहु संदर्भ जिसके अन्तर्गत ओ. ई. सी. एफ. को इसे अधिसूचित किया गया है।

(ब) क्या साख पत्र के संकालन और रख रखाव के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को वेब बैंक खर्च आयातकों या संभरकों द्वारा वहन किए जाने हैं।

(घ) आयातक द्वारा वचनबद्धता:

"हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समतुल्य रुपये को पूरा और सही जमा करने का वचन देते हैं। प्रत्येक निक्षेप माल (आयातित सामग्री) की सुपुर्दगी सौंपने से पूर्व तत्काल ही धनराशियां जमा कराई जाएंगी। विदेशी राष्ट्रियता वालों की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में, दिए गए ज्यों ही विदेशी संभरकों के सम्बद्ध बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित कर दिए जाएं और संभरकों को भुगतान कर दिया जाए या राशियां ही धनराशियां जमा करा दी जाएं।

उपाबन्ध-3

(प्राधिकार पत्र का प्रारूप)

सं. एफ.

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)।

विषय: येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) ऋण करार सं. आई. ओ पी. के अधीन आयात माख पत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ दिनांक को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न थ्रीरे के अनुसार सर्वे थ्री के नाम में येन धनराशि के लिए अपरिवर्तनीय साख पत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साखपत्र की प्रति आयातक के बैंक, ओ. ई. सी. एफ. भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए।

3. साखपत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जाएगा। भुगतान के साथ ओ. ई. सी. एफ. को आवश्यक दस्तावेज भेज कर किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का वादा तत्काल करना चाहिए।

4. विदेशी संभरक को उदाहरण करते समय आपके द्वारा (आयातक के बैंक के नाम व पता) मूल पोतलवान दस्तावेज (विनिमय), अतिरिक्त पूर्ण दस्तावेजों के सैट के साथ तथा संभरक

को की गई उदाहरण को नामों खोलने की सूचना तत्काल उदाहरण की यदि कोई की गई हो, तो उसकी प्रति भेजी जाए।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से ओ. ई. सी. एफ. द्वारा आपको उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य व्याज प्रभार भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना सामान्य बैंकिंग शर्तों के माध्यम से भारत में संबद्ध आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे। बैंकों के अन्य खर्च जिसमें साखपत्र खोलने, रख-रखाव करने और साखपत्रों को आपरेशन करने और सेवा संबंधी दस्तावेजों के संकालन से संबंधित और यदि कोई हो तो विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्च भी विदेशी संभरक/आयातक को ही देने पड़ेंगे और इसलिए आयातक द्वारा उनका भुगतान नहीं किया जाएगा और इसलिए उन्हें सोचे हों आयातक या संभरकों से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार ऐसे भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा ओ. ई. सी. एफ. से नहीं किया जा सकता है।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाता है और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाती है तो उसकी सूचना निर्धारित पत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र समुद्रपार संभरकों के नाम में साखपत्र खोलने के लिए है। साखपत्र के बाव में किए जाने वाले संशोधन या इस प्राधिकार के सहे सविष्य में साखपत्र इस मंत्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए बिना वैध नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा।

9. कृपया इस करार के संबंध में सभी प्रकार के पत्र व्यवहार के लिए इस पत्र के अनुदेश शीर्ष में दी गई संख्या का उल्लेख करें।

भवदीय

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित:

1. आयातक की उनके पत्र सं. दिनांक के के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि ये बैंकों से विनिमय दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपये निक्षेप अधि जमा कराने का प्रबंध करें। यदि अपवाद स्वरूप परिस्थितियों के कारण माल की डिलीवरी सोधे ही सीमाशुल्क और प्रबल प्राधिकारियों से मूल पोतलवान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली जाती है, तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रियों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान द्वारा अनुमोदित हो जाए, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप जरूरी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में उल्लिखित आवश्यक कार्यवाई की जा सकती है।

2. आयातक के बैंक।

2. (1) यह आयात लाइसेंस संख्या दिनांक के संदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अन्तर्गत प्रभावी आयात लाइसेंस शर्तों के दारों में जारी किया गया। आयात/विदेशी भुगतान करते समय उचित कार्रवाई के लिए लाइसेंसिंग शर्तों तथा संबंधित सार्वजनिक सूचना/आवेश आदि को देखें।

2. (2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्ति करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपये जमा कराने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सं. 8 आई. टी. सी. (पी एन)/76 दिनांक 17-1-78 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार संभरकों को भुगतान करने

की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की मिथित दर पर की जाएगी। यह मुनिबिबन कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमाशुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का सैट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

2. (3) ये धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के दाहिनी ओर कोड सं. 51300000009 दर्शाने हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184 आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-68, 233-आई टी सी (पी एन)/68 दिनांक 24-10-1968, 132 आई टी सी (पी एन)/71 दिनांक 5-10-1971, सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74 दिनांक 31-5-1974 सं. 103 आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर बिलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिस में रुपया जमा कराना है वे "के डिपॉजिट्स एण्ड एडवांसिज-843-सिविल डिपॉजिट्स डिपॉजिट्स फार परचेजिज एटसेट्स अक्वांड अंडर परचेजिज क्रेडिट "लोन एप्रोमेंट्स" लोन फ्रॉम द गवर्नमेंट आफ जापान बिलियन येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई टी पी फार है।

2. (4) जिन मामलों में मुख्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना संख्या 132 आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाता है, उनके चालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देने हुए अप्रैपण पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी :—

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग),
पहली मजिल, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग,
संभव मार्ग, नई दिल्ली-110001,

2. (5) जिन मामलों में मुख्य रुपया ऊपर संकातित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-1968 में यथा उल्लिखित वर्गनी हुण्डो द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए मुख्य रुपये का पूरा ब्योरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

2. (6) संभरक को भुगतान करने की तिथि और ओ. ई. सी. एफ. द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को उसकी अदायगी की तिथि के बीच की अवधि के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को बैंड ब्याज प्रभार आपके द्वारा गामान्य बैंक सूत्रों के माध्यम से भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना बैंक आफ इंडिया, टोकियो के साथ निमित्त किए जाएंगे।

2. (7) संभरक को प्रत्येक अदायगी करते समय मूल दस्तावेज (या वाणिज्य बीजक, बैंक गारण्टी कार्य निष्पादन गारण्टी पोतलवान की सूची में विनिमय दस्तावेज आदि) का विमोचन तब तक न किया जाय जब तक कि उपर्युक्त (2) तथा (3) पर कार्रवाई न कर ली जाए।

2. (8) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी के रूप में बैंक की जिम्मेदारियां तथा कार्यों का उल्लेख भारतीय रिजर्व बैंक के अनेक निर्धारित एंडी परिपत्रों में किया गया है। इस संबंध में ऐसी आवेश संख्या 22 दिनांक 18-6-77 की ओर विशेष रूप से ध्यान दिलाया जाता है।

2. (9) भविष्य में पत्र-व्यवहार के लिए इस पत्रादि की प्राप्ति स्वीकृति भेजें तथा संख्या आदि लिखें।

3. निदेशक, ऋण विभाग-2 समुद्रपार आर्थिक सहयोग निधि टाका-बासी गोड बिल्डिंग, 4-1 ओहाट मेचो-1 कोमे, शिथोडा कू टोकियो 100 जापान।

2204 GI/88—2.

1. भारतीय हुतावास, टोकियो।

5. अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

उपाखण्ड 4

पत्र श्री ई सी एफ — एन सी — 1

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(माल के लिए लागू)

दिनांक :

मेबा में,

यह साखपत्र (ऋणी) और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार सं. दिनांक के अनुसरण में जारी किया गया है।

महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमने आपके नाम में हमसे निकाले जाने वाले बीजक के पूरे मूल्य के लिए ऋणों द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए अपरिवर्तनीय साख पत्र सं. ----- खोल दिया है जो (प्रयोजित येन) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है। इसे निम्न-लिखित दस्तावेजों के साथ भेजा जाना है :—

हस्ताक्षरित वाणिज्यिक बीजक, समुद्री पोतलदान बिल जिनमें दिए गए द्रावियों का पूरा सेट ही बैंक पूर्णकृत एवं निहित "क्रेडिट एवं 'नोटिफाई' अंकित किए हुए अन्य दस्तावेज।

प्रमाणित पोतलदान (माल के लदान का संक्षिप्त विवरण) संविदा सं. ----- (यदि कोई हो) के संदर्भ में ----- से ----- आर्थिक पोतलदान स्वीकृत है। वाहनांतरण स्वीकृत है। लदान बिल ----- के बाव की तिथि का नहीं होना चाहिए। ऋण ----- तक बातचीत के लिए अग्रभूत प्रस्तुत किए जाते चाहिए। इस ऋण के अंतर्गत सभी ऋण तथा दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. ----- दिनांक ----- के अंतर्गत निकलवाया गया और आयात संदर्भ सं. (संख्याएं) (यदि कोई हो) अंकित होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा बल देते हैं कि इस ऋण और इसकी शर्तों के अंतर्गत जारी किए गए और इसकी शर्तों का अनुपालन करके जारी किए गए सभी ऋण प्रस्तुत करने पर और ग्रहण की दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक न उल्लेख किया जाए यह क्रेडिट "मूनिफार्म कस्टमस एंड प्रैक्टिस फार डाक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इंटरनेशनल बैंक ऑफ कामर्स बोधर सं. 290 के अधीन है। लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश।

1. उपर्युक्त ऋण समझौते के अंतर्गत जारी किए गए वचन पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से हमारे भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाव हम बचत देते हैं कि हम लेन-देन वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ऋणों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह बताते हुए हमें ऋणों और दस्तावेजों के एक पूरे सेट के साथ एक प्रमाण पत्र अवश्य भेजना चाहिए

कि सेवा दस्तावेजों के संघे ही हवाई डाक द्वारा -----
को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अंतर्गत बैंक के सभी खर्च प्रायातक/संभरक के लेखों के लिए हैं।

भवदीय,

वाणिज्यिक बैंक
द्वारा प्राधिकृत हस्ताक्षर

उपाबंध - 5

(प्रपत्र श्री ई सी एक - एन सी - 2)

(अपरिवर्तनीय साख - पत्र)

(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक:

सेवा में

यह साखपत्र (ऋणी) और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच
हुए ऋण करार ----- से, ----- दिनांक के
अनुसरण में (संभरक का नाम व पता) जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम आपकी सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकलने के लिए
पूर्ण ऋण मूल्य के लिए लाभकारी डाफ्ट एवं साइट द्वारा उपलब्ध राकम या
रकमों के लिए आपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र में -----
खोल दिया है जो येन ----- (येन -----)
की कुल धनराशि से अधिक नहीं है।

इसमें संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (परियोजना के
संबंध से ठेका में, -----) से संबंधित दस्तावेजों को नष्ट
करना है सीधा तय करने के लिए डाफ्ट ----- से पहले
प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी डाफ्ट और दस्तावेजों पर अपरिवर्तनीय क्रेडिट सं. -----
के अंतर्गत डान लिखा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत इसकी शर्तों
का अनुपालन करके भुनाये गये सभी डाफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशियों
को दस्तावेजों की संपूर्ण पर बिधिवत स्वीकार किये जाएंगे।

जब तक अन्यथा कम से विस्तारपूर्वक न बताया जाये, यह क्रेडिट
"यूनिफार्म कस्टमस एंड प्रैक्टिस फार डाकुमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन)
इन्टरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स क्रोचर नं. 290" के अधीन है। सीधा
करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश।

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणी और इसके मनोनीत अधि-
कारी) द्वारा जारी किये गये निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पर्यन्त
इस क्रेडिट के अंतर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनु-
सूची के अनुसार किये जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतान के मामले में
उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाय लाभकारी विवरण की आवश्यकता
है।

2. ऊपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किये गये वचन-
बद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने
भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम डाफ्टों की धन-
राशि का सीधे लीज करके बाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनु-
सार प्रेषित करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति श्री
समीरे हमें उसकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही भेजे जाएंगे।

4. इस साखपत्र के अंतर्गत बैंक के सभी खर्च प्रायातकों/संभरकों के
लेखों के लिए हैं।

भवदीय,

वाणिज्यिक बैंक
द्वारा प्राधिकृत हस्ताक्षर

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साखपत्र सं. -----
का एक अन्तिम अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि ----- येन
कुल संविदा मूल्य का ----- प्रतिशत है।
अपेक्षित दस्तावेज: लाभकारी का विवरण अंतिम भुगतान तिथि:

2. भुगतान बृद्धि।

सम्पूर्ण यी: धनराशि ----- येन
कुल संविदान मूल्य का ----- प्रतिशत
निम्न प्रकार से भुगतान किया जाता है:--

देय धनराशि अंतिम भुगतान तिथि

पहली किस्त, येन -----
दूसरी किस्त येन -----

अपेक्षित दस्तावेज: (ऋणी अथवा उसके मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा
जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति
जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक:

सम्बन्ध:

सेवा में

(संभरक का नाम और पता)

सन्दर्भ:-- ऋण करार सं. ----- के अंतर्गत
परियोजना से संबंधित ----- के नाम के -----
येन के लिए ----- द्वारा जारी किए गए साख
पत्र की सं. ----- दिनांक -----

में अधोहस्ताक्षरी, प्रतिनिधि (ऋण) एतद्वारा -----
और ----- के बीच समझौता सं. -----
दिनांक ----- में निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार समुद्र
पार आर्थिक सहायता निधि द्वारा ----- की धनराशि
(----- येन केवल) प्राप्त करने के लिए एक निष्पादन
विवरण जारी करता हूँ।

(ऋणी)

द्वारा -----
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :-

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दर्शाया जाएगा।
भुगतान शर्तें

यह भुगतान हमारी माहौल में ----- का अभिन्न भाग है।

1 प्रारम्भिक भुगतान -----
धनराशि ----- येन जो कि कुल
संविदा मूल्य के ----- प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज :

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

2. मध्यवर्ती भुगतान (यदि कोई हो)
धनराशि ----- येन जो
कि कुल संविदा मूल्य का -----
प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज :

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

3. पोलवदान दस्तावेजों के मद्दे भुगतान
धनराशि ----- येन जो
कि कुल संविदा मूल्य का ----- प्रतिशत है।

टिप्पणी : पोलवदान दस्तावेजों के मद्दे पूर्ण भुगतान के मामले में इसे
संलग्न दस्तावेजों की आवश्यकता नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 43—ITC(PN)/88—91

New Delhi, the 29th August, 1988

Subject :—Licensing Conditions for import of equipment/
service under OECF Loan No. ID-P.49 of Yen
3,337 Billion for Telecommunication Project (X)
regarding.

F. No. IPC/23(30)/88-91.—The terms and conditions
governing imports under the Yen Credit of Yen 3,337 Billion
for Telecommunications Project (X) Extended by the Over-
seas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, as given
in Appendix to this Public Notice are notified for information.

R. L. MISRA, Chief Controller of Imports & Exports

Appendix to the Ministry of Commerce Public Notice
No. 43 ITC(PN)/88—91 dated 29-8-1988

LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES UNDER THE YEN CREDIT OF YEN 3,337 BILLION FOR TELECOMMUNI- CATIONS PROJECT (X) EXTENDED BY THE OVER- SEAS ECONOMIC COOPERATION FUND (OECF) OF JAPAN

Section I. General Conditions :

1 (i) The Yen Credit of Yen 3,337 billion extended by the
Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF)
for financing the import requirements of the Telecommuni-
cations Project of the Department of Telecommunications
is untied in favour of Japan and developing countries.
Accordingly the goods and services to be proceed under this
Credit can be imported from Japan and all countries enum-
erated in the list at Annexure-1 which will be eligible source
countries under the credit.

1 (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only
for such items and for such value as have been specifically

cleared by the DGTD/CG Committee. The value of im-
port licence(s) issued under this credit should not exceed Yen
3.675 Billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined
with reference to the exchange rate notified by the Department
of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of
the import licence and indicated in the body of the import
licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-JTC-
(PN/74 dated the 6th June, 1974 issued by the CCI&E,
which also enjoins that the Customs Authorities and the
authorised dealers in foreign exchange will make debts to
the value of the licence(s) at the exchange rate specified on
the import licence(s). The licence will bear the superscription
"Japanese Yen Credit" No. ID-P.49. The first and second
suffix to the licence code will be "S/JC". This will also be
repeated in the latter from the CCI&E forwarding the import
licence to Department of Telecommunications, a copy of which
should be endorsed to the Ministry of Finance, Department
of Economic Affairs (Japan Section).

1 (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of
Department of Telecommunications on CIF basis.

1 (iv) Depending on the convenience of Department of
Telecommunications more than one import licence may be
issued under this credit, but the total value must not exceed
Yen 3.675 Billion (CIF) as specified at 1(ii) above.

1 (v) The extension of the validity of the import licence, may
on application by Deptt. of Telecommunications be granted for
a further period of 12 months. Request for further extension/
issue of fresh import licence, if any, should be referred to the
Department of Economic Affairs (Japan Section).

1 (vi) Imports to be financed under the credit are restricted
to the list of goods and services attached to the import
licence duly attested by the licensing authorities.

1 (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted
against the import licence. Any payment towards Indian
Agent's Commission should be made in Indian rupees to the
agents in India. Such payments, however, will form part of
the licence value and will, therefore be charged to the
licence.

1 (viii) Firm order must be placed on FOB basis on the
overseas supplier located in the countries mentioned in
Annexure-1 and sent to the Department of Economic Affairs
(Japan Section) within 4 months from the date of issue of
the import licence. Freight and insurance charges will be pay-
able in India in Indian rupees. "Firm orders" means purchase
orders placed by the Indian licensed contract duly signed by
both the Indian importer and the overseas suppliers. Orders
on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirma-
tion of such Indian Agents are not acceptable.

1 (ix) This condition of the placement of contracts within
4 months period will be treated as not having been complied
with unless complete contract documents reach the Ministry
of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section)
within four months from the date of issue of the import
licence. If firm orders as explained in para 1(viii) above cannot
be placed within four months for valid reasons, the licensee
should submit the import licence to the concerned licensing
authorities given reasons why ordering could not be completed
within four months. Such requests for extension in the order-
ing period will be considered on merit by the licensing autho-
rities who may grant extension upto a further maximum
period of 4 months. If, however extension is sought beyond
8 months from the date of issue of the import licence such
proposals will invariably be referred by the licensing authori-
ties to the Department of Economic Affairs (Japan Section),
Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will con-
sider such extension on the merits of each case and communi-
cate their decision to the licensing authorities for communica-
tion to the licensee. On production by the licensee of a
letter from the licensing authorities sanctioning such extension
will be authorised dealers and departmental authorities permit
the facility of letter of authority for the establishment of
letter of credit, acceptance of deposit of the rupee equivalent
etc. in respect of supply contracts entered into under the
import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the overseas suppliers. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :—

“.....Months after the receipt of Letter of credit but to be completed latest by the end of.....”

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-12-1992.

Section—II Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB value of the contract should be expressed in YEN (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which would be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services sources of value estimated to be not less than 500 million yen:—

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Formal open International Tendering submitted to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of prequalification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract specification and drawing and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of construction the condition the requests, the tender evaluation reports etc., will be submitted to OECF for its review.

(c) The application/documents mentioned in (a)(i), a(ii) and (b) above will be submitted by Department of Telecommunications to Department of Economic Affairs, in duplicate, for submission to OECF.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. 10-P. 49 for 1987-88 the details of which are given in Section VI below.

II (iv) Only one Contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into for which prior approval the Department of Economic Affairs (Japan Section) Ministry of Finance, should be obtained seen after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier

Suppliers shall be nationals of the eligible source countries (indian persons incorporated and registered in the eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries).

II (vi) Declaration in contract

The following declaration as to the eligibility of goods and supplier signed and dated by the supplier, shall be attach to each contract:—

“I, the undersigned, hereby certify that the goods to supplier are produced in——— (name of the eligible source country concerned).”

“I, the undersigned, further certify that to the best my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty percent (50 percent) in accordance with the following formula :—

Imported CIF price + Import Duty $\times 100$ and

Supplier's FOB Price

“I, the undersigned, hereby certify that.....Name of company) has been incorporated and registered in——— (Name of eligible source country), and is contract by nationals of——— (Name of the eligible source countries concerned)”

II (vii) Permissible imports from non-eligible source countries

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty percent (50 percent) of the price per unit of such products in accordance with the following formula :—

Imported CIF Price + Import Duty $\times 100$

Supplier's FOB Price

Section III Conditions to be incorporated in the supply contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :—

(a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 10th February, 1988 concerning the Yen Credit No. ID-P. 49 (Project Aid) for Telecommunication Project (X).

(b) Payments to the supplier shall be made through on irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo under the Loan Agreement No. ID-P. 49 dated 10th February, 1988 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

(c) The Overseas suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.

(d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vi).

III (ii) In case supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian importer require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV.—Review of Contract by OECF.

IV (i) Within the stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract

duly signed by both the Department of Telecommunications and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photo copies complete in all respects, together with two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure-II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Deptt. of EA) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of conclusion of contract accompanied by the contract will also be sent by Department of EA to Embassy of India, Tokyo and office of CAA & A along with one copy each of "Request for issue of L.A." and photo copy of import licence.

Section V.—Payment to the overseas suppliers—Letter of Credit procedure.

V. (i) On receipt of the Notice of conclusion of contract and the contract documents from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs the CAA & A will issue a letter of authorisation to pay as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the Form attached as Annexure IV (for physical imports) or Annexure—V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the DECF, Embassy of India, Tokyo, the Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to physical imports) or V (applicable to services) in favour of the overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo the importer's Bank in India and the CAA & A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA & A would also apply to all such amendments to letter of authorisation on letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V. (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of the goods, present through his bankers the documents specific in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth percent (0.1 percent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loanfunds by OECF. The importer is required to deposit into the Government of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the controller of Aid Accounts Ministry of Finance. Interest from the date of Payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) as prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the reimbursement procedure also.

V (iv) All charges on account of opening, maintenance and on the operation of the letter of credit will be to the account of the importer/overseas suppliers and hence not reimbursable from OECF.

For the time lag between the dates of payment of the FOB cost of the material by the R.O.I., Tokyo to the suppliers and the date of reimbursement by the OECF to the R.O.I., Tokyo the R.O.I., Tokyo will charge interest as per the terms and conditions of the Agreement entered into by them with the Government of India (Ministry of Finance) on 25.3.1980 and get the same reimbursed by the Embassy of India, Tokyo. The expenditure on account of this interest-payment by the Embassy India in Japan will be recovered from the P&T Department (vide Section VI(iv) infra.

V (v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the purchase of goods and services from Indian suppliers shall be in accordance with reimbursement procedure of the loan agreement.

Section VI.—Responsibility for rupee deposit.

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of Department of Telecommunications as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the Department of telecommunications make the rupee deposits at RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or SBI, 118 Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. The rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas supplier are to be deposited into Government of India Account in the manner prescribe in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of Exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC(PN)/74 dated 3-8-1974 and No. 8-ITC(PN)/76 dated 1-1-1975 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Central Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further L.A. to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances—843—Civil Deposits—Deposits for purchase etc. abroad—Purchase under credits/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan 2,337 billion Yen credit No. ID-P. 49 for Telecommunications Project (VIII). The provisions regarding calculation and deposit of interest charges mentioned in the above said Public Notice of 31-5-1974 will, however, not be applicable, as no interest charges are recoverable in respect of imports made by Central Government departments.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or State Bank of India, 118 Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-68, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/78 dated 12-10-1978.

VI (iii) The concerned Bank of importer in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is also by Ministry of Finance (Deptt. of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :-

(a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.

(b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.

(c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note.—Importer's Banks in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite 'S' Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

The rupee equivalents of Yen payments on account of increase charges etc. made by Embassy of India, Tokyo to BOI, Tokyo will also be calculated in the manner laid down in para VI(i) of Section VI above and deposited in favour of the principal Accounts Officer, Ministry of External Affairs, New Delhi for which purpose, CAA&A will be issuing suitable advices.

Section VII—Miscellaneous Provisions

VII (i) Reports on the utilization of the import licence.

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VII (ii) Notifying Supplier of Special Conditions.—The licensee should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may effect the suppliers in varying out the transaction.

VII (iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VII (iv) Future instructions.—The licensee shall promptly comply with any directed instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the yen credit Agreement (Project Aid) No. IP-p. 49 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VII (v) Breach or violation.—Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VII (vi) List of Annexures :

Annexure—I List of eligible source countries.

Annexure.—II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure.—III. Form of Letter of Authority.

Annexure.—IV Form of Letter of Credit (Applicable to Physical Imports).

Annexure.—V Form Letter of Credit (Applicable to Services)

ANNEXURE-I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a1) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
Benin
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of
Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Mozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and dep (2)
Sao Tomé and Principe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Terre, Aires and
Issas
Togo
Uganda
Un. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

II. AMERICA, North and Cent.

Bahamas
Barbados
Belize

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

(2) Including the following islands: Ascension, Tristan Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
El Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago

II. AMERICA, North and Central

West Indies (Br.) n.e.

- (a) Associated States (1)
- (b) Dependencies (2)

IV. AMERICA South

Argentina
Bolivia
Brazil
Chile
Colombia
Falkland Islands
French Guiana
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam
Uruguay

V. ASIA, Middle East

Bahrain
Israel
Jordan
Lebanon
Oman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yemen, People's D.R. (4)

VI. ASIA, South

Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma
India
Maldives
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East

Brunai
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of
Laos
Macao
Malaysia
Philippines
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands
Fiji
Gilbert and Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
New Caledonia
New Hebrides (Br. and Fr.)
Niue
Pacific Islands (US) (6)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

(a2) Members of Association Countries of OPFC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia

1. Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.

2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos and British Virgin Islands.

3. Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quwain.

4. Including Aden and various sultanates and emirates.

5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.

6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands and Marine Islands (except Guam.)

ANNEXURE-II

(s) Undertaking by the importer.—

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF
AUTHORITY

No.

Dated:

To

The Controller of Aid Accounts and Audit,
Ministry of Finance
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Subject :—Import of from Japan under the Yen
Credit No. ID-P (Project Aid for
1985-86).

Sir,

In connection with the import of from under the above mentioned Yen Credit No. ID-P (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the (Name of the Bank) which should be the same as given in (b) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of the contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address and nationality of the overseas supplier.
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate of trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted.).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the no. date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers or supplier.

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

ANNEXURE-III

(Letter of Authority Form)

No. F.

Government of India

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject : Import under Yen credit (Project Aid) Loan
Agreement No. ID-P Issue of Letter of
Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of agreement dt. entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable letter of credit for an amount not exceeding Yen favouring as per attached details.

2. A copy of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF, Embassy of India, Tokyo to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to (Name & address of importer's Banker) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit, as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the overseas supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This matter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas supplier. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto.....

9. Please quote the number given at the top of this letter of instruction in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payments.

Yours faithfully,
(ACCOUNTS OFFICER)

Copy forwarded to:—

1. Importer with reference to their letter No.....
.....dated.....

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port Authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the licensing conditions.

2. Importers Banker (i) This has reference to import licence No..... dated..... This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The Licensing conditions and connected Public Notice/Order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-68, 233-JTC(PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits—Deposits for purchase etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P for

(iv) One copy of the challan in original, in cases, where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71, dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advance notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand draft as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

(vi) Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

2204 GI/88—3

(vii) For each payment made to the supplier, the original documents (whether commercial invoice bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents etc.) should not be released to the importer till action as at (ii) and (iii) above has been taken.

(viii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A.D. Circulars of the Reserve Bank of India, Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dated 18-6-77.

(ix) The receipt of this communication may be acknowledged and reference etc. for future correspondence may be indicated.

3. The Direct, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-a, Ohtamachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

(ACCOUNTS OFFICER)

IRREVOCABLE LETTER OF CREDIT

(Applicable for Goods)

Date: _____

To _____

This letter of credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____
Dated _____
between (Borrower) and The Overseas Economic Cooperation Fund.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum not exceeding an aggregate amount of Y _____ (say Yen _____) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents:

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" other documents.

Evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. _____ (if any) from To _____) Partial shipments are permitted. Transshipment is permitted. Bills of lading must be dated not later than _____ All drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under irrevocable credit No. _____ dated _____ and Import Reference No.(s) _____ (if any)

This credit is not transferrable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on the presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290." Special Instructions to the Negotiation Bank:

1. After obtaining the reimbursement for our payments from The Overseas Economic Cooperation Fund in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.

2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been air-mailed direct, to—

3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,
(a commercial bank)
By : Authorised Signature

ANNEXURE V
FORM OECF-ICU

IRREVOCABLE LETTER OF CREDIT

(Applicable for Services)

Date :

To

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ dated _____ between (Borrower) and The Overseas Economic Cooperation Fund.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Y (say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the payment Schedule attached hereto, concerning (Central No. _____ with regards to Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. _____"

This credit is not transferable

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of document to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brouchure No. 290".

Special instructions to the negotiating banks :

1. After receipt of the original statement of performance from the Overseas Economic Cooperation Fund rity) in accordance with the form attached hereto, payment under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the Overseas Economic Cooperation Fund in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.

3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.

4. All banking charges under this credit and for the amount of the importer/supplier.

Yours faithfully,
(a commercial bank)
By : (Authorised Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter Credit No. _____

I. Initial payments

Amount : Y _____

being _____ % of the total contract price

Required documents : beneficiary's Statement.

Latest presentation date : _____

II. Progress Payment

Aggregate amount : Y _____

being _____ % of the total contract price to be paid as follows :

Amount due	Latest presentation
_____	_____
_____	_____
_____	_____

1st Instalment : Y _____

2nd Instalment : Y _____

Required documents : A copy of State of Performance

issued by (Borrower or its designated authority) a form of which is attached hereto.

STATEMENT OF PERFORMANCE

Date :

Ref. No.

To

(Name and address of the Supplier)

Re : Letter of Credit No. _____ dated _____

Issued by _____

for Y _____ in favour of _____

_____ concerning _____

Project under Loan Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle _____ to received the sum of Rupees Y _____ (Yen _____ only) from The Overseas Economic Cooperation Fund in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. _____ dated _____ between _____ and _____

(Borrower)

By _____
(Authorised Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our letter of Credit No. _____

I. Initial Payment

Amount : Y _____
being _____% of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

II. Intermediate Payment (If any)

Amount Y _____
being _____% of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount Y _____
being _____% of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

